जहाँ दुनिया हाथ पसारे | By Praveen Sharma |

जहाँ दुनिया हाथ पसारे
आते जहाँ पे ग़म के मारे
यही सुनती है सबकी पुकार
माँ जैसा दानी कोई नहीं
माँ जैसा दानी कोई नहीं

जहाँ दर्द हैं मिटते सारे
कर जीवन माँ के सहारे
यही सुनती है सबकी पुकार
माँ जैसा दानी कोई नहीं
माँ जैसा दानी कोई नहीं

यही जानती है तेरी मजबूरियाँ
तेरी खुशियों की कितनी हैं दूरियाँ
जिस-जिस ने है तेरा दिल तोड़ा
किस-किस से हुआ है बिछोड़ा
माँ ही जानती है पीर जो पराई
तुझे होती कहाँ पे तन्हाई
तेरे दुख से क्यों आँख भर आई
कली जीवन की क्यों है मुरझाई
तेरी सुनेंगी दिल की बातें
होंगी खुशी में सुख की रातें
कट जाएंगे सारे क्लेश
माँ जैसा दानी कोई नहीं
माँ जैसा दानी कोई नहीं

क्या तड़पन क्या है धड़कन
बढ़ जाती है क्यों ये उलझन
मोह माया की है छाया
सब देख के मन पछताया
दुख सुख में फिर बदलेगा
जब जय माता दी कहेगा
खुशियों के कमल ही खिलेंगे
जो भावना को बदलेगे
माँ दर्शन देगी आ तुझको
और प्यार करेगी आ तुझको
यही बात तू मन में बिठा ले
माँ जैसा दानी कोई नहीं
माँ जैसा दानी कोई नहीं

गिरतों का यही है ठिकाना
इस दिल को भूल न जाना
तू बोल ले मीठी बोलियाँ
भर देगी तेरी झोलियाँ
तेरी रोज़ मनेंगी दिवाली
न जाएगा दर से तू खाली
भक्ति का जाम तू पीना

जीवन में मिलेगी खुशहाली
"शर्मा" शीश नवाले माँ को
भक्ति से रिझा ले माँ को
मुक्ति का यही एक द्वारा
माँ जैसा दानी कोई नहीं
माँ जैसा दानी कोई नहीं

जहाँ दुनिया हाथ पसारे
आते जहाँ पे ग़म के मारे
यही सुनती है सबकी पुकार
माँ जैसा दानी कोई नहीं
माँ जैसा दानी कोई नहीं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%a6%e0%a5%81%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%a5-%e0%a4%aa%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-praveen-sharma/